श्रीगणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोभी (मथुरा नगर) जौनपुर–222149

SHRI GANESH RAI POST-GRADUATE COLLEGE
DOBHI (MATHURA NAGAR), JAUNPUR-222149

दिनांक 16.12.05

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री संतोष कुमार सिंह** ने मेरे निर्देशन में **"दक्षिण एशिया का स्त्रातजिक परिवेश एवं भारतीय सुरक्षा"** शीर्षक के तहत शोध कार्य किया है; जो **पी-एच॰ डी॰** उपाधि हेतु प्रस्तुत है। शोधार्थी द्वारा नियमित रूप से मौलिक ढंग से शोध कार्य पूर्ण किया गया है।

(डॉ० प्रवीण कुमार सिंह)
प्राचार्य

प्राचार्य
श्री गणेश राय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोभी – जौनपुर

(डॉ० नरेन्द्र बहादुर सिंह)
अध्यक्ष, रक्षा–अध्ययन

(डॉ० अनिल कुमार सिंह)
निर्देशक

आभार ज्ञापन

पूर्वाञ्चल के ग्रामीण परिवेश में अवस्थित ग्राम-कम्मरपुर, जनपद-जौनपुर के मेरे जैसे शोध-छात्र के लिए रक्षा एवं स्त्रातजिक जैसे गतिशील विषय क्षेत्र में एक नितान्त अद्यतन विषय ''दक्षिण एशिया का स्त्रातजिक परिवेश एवं भारतीय सुरक्षा'' में शोध-कार्य कितना दुष्कर है। इसकी कल्पना की जा सकती है। फिर भी यह कार्य सम्पादित हो सका है। इसमें निश्चय ही मेरे विद्वान शोध-निर्देशक के अतिरिक्त अन्य अनेक मान्य विद्वानों, मनीषियों, प्रतिष्ठा पुस्तकालयों और सहधर्मी मित्रों की रचनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण रही है अन्यथा यह कार्य और दुष्कर हुआ होता। अतः इनके प्रति आभार ज्ञापन एक नैतिक दायित्व है।

सर्वप्रथाम मैं अपने विद्वान विषय विशेषज्ञ एवं शोध-निर्देशक डॉ0 अनिल कुमार सिंह के प्रति आभार व्यक्त करना चाहूँगा जिन्होंने मुझे अकादमिक अनुशासन एवं मार्गदर्शन के साथ-साथ निराशा के क्षणों में अपेक्षित नैतिक प्रोत्साहन भी प्रदान किया । आपके सुयोग्य निर्देशन कर्मठ व्यक्तित्व व निर्मल व्यवहार की प्रशंसा करने के लिये मेरे पास शब्दों का अभाव है। आपके इस प्यार, स्नेहपूर्ण व्यवहार, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन तथा अविस्मरणीय योगदान के लिए जीवन पर्यन्त ऋणी रहूँगा।

मैं श्री गणेशराय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोभी के प्राचार्य डॉ0 प्रवीण कुमार सिंह के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापिंत करता हूँ जिनके संरक्षण एवं मार्गदर्शन के बिना यह शोध-कार्य पूर्ण नहीं हो सकता था।

डॉ0 एन0बी0 सिंह, विभागाध्यक्ष रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग एवं पूज्य गुरुजन डॉ0 एम0 पी0 सिंह, डॉ0 राकेश सिंह, सर्वश्री मनोज कुमार मिश्रा व श्री रामकृष्ण सिंह जी के प्रति भी आभार व्यक्त करूँगा जिन्होंने मेरी हर सम्भव सहायता ही नहीं की, वरन् अपना शुभाशीष भी प्रदान किये एवं ज्येष्ठ भ्राताश्री - राजेश कुमार सिंह व मित्र - अमित कुमार सिंह तथा विभाग के अन्य शोध छात्र-छात्राओं के प्रति भी आभार प्रकट करता हूँ जिनकी प्रेरणा स्नेह एवं प्रोत्साहन शोध-कार्य के दौरान मुझे मिलता रहा।

दायित्व का निर्वाह करना चाहता हूँ अपनी माँ श्रीमती शान्ति देवी, पिता श्री रामचेत सिंह का भी चरण वंदन करता हूँ जिनकी छत्रछाया में मेरा जीवन-पथ प्रशस्त होता रहा है।

साथ ही अपने मामा श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह, मामी श्रीमती तारा सिंह जिन्होंने मेरे शोध-कार्य के निर्विघ्न संचालन में हर सम्भव सहायता की और इन्हीं की प्रेरणा से आज मैं इस योग्य हुआ जिससे अत्यन्त विकट स्थितियों में भी मुझे स्नेहपूर्ण व्यवहार, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन तथा अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया।

उन सभी विद्वान, लेखकों एवं आचार्यों के प्रति भी अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिनके श्रेष्ठ ग्रन्थों एवं पत्र-पत्रिकाओं की सहायता इस शोध-कार्य में ली गयी।

अन्त में मैं अपने इस शोध-ग्रन्थ को ममता एवं करुणा की प्रतिमूर्ति अपनी बहन स्वर्गीया कुमारी नीलम सिंह की पावन स्मृति को समर्पित करता हूँ।

संतोष कुमार सिंह

(संतोष कुमार सिंह)